ब्रेकथ्रू की विडियो वैन रवाना
शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर करेगी जागरुक
गोरखपुर में 28 फीसदी लड़कियों की शादी 18 साल से पहले

गोरखपुर/कैंपियरगंज,23 जून 2017, मानवाधिकार और महिला हिंसा के मुद्दे पर काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू ने आज 'दे ताली:बनेगी बात साथ-साथ' कार्यक्रम के अन्तर्गत कैंपियरगंज ब्लॉक से वीडियो वैन के सफर का आग़ाज़ किया।वीडियो वैन को हरी झंडी दिखाकर खंड विकास अधिकारी,कैंपियरगंज संदीप कुमार सिंह ने रवाना किया।
यह वीडियो वैन 1 जुलाई तक कैंपियरगंज ब्लाक के 21 ग्राम पंचायतो में पहुंच कर समुदाय को किशोर-किशोरियों की शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर जागरुक करेगी।इस दौरान लघु फिल्म रश्मी मैट्रिक पास के साथ ही नुक्कड़ नाटक चंदा पुकारे और विभिन्न खेल के माध्यम से किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य,शिक्षा,बाल विवाह जैसे मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।इस अवसर पर अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,कैंपियरगंज डाक्टर भगवान दास, हेल्थ एजुकेशन ऑफ़िसर-मनोरंजन सिहं,सहायक विकास अधिकारी (आईएसबी) राजेश सिंह, सीडीपीओ(आईसीडीएस)कैंपियरगंज सुनंदा यादव सहित काफी संख्या में आशा,एएनएम,पंचायत प्रतिनिधि,प्रधान सहित ब्रेकथ्रू से धीरज,धर्मेंद्र मौजूद रहे।

इस अवसर पर ब्रेकथ्रू के जिला समन्वयक विजय ने कहा कि देश में हर पांचवा नागरिक किशोर-किशोरी के उम्र का है,उत्तर प्रदेश की लगभग 49 फीसदी आबादी किशोर-किशोरियों की है। उन्होंने कहा कि किशोर-किशोरियों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य एक बड़ा मुद्दा है,अगर इनकी शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाए तो हम एक ऐसे समाज की कल्पना कर सकते है जहाँ लड़का-लड़की के नाम पर भेद न हो और दोनों को बराबरी का दर्जा मिले। अकसर हम देखते है कि लड़कियों के साथ खाने से लेकर स्वास्थ्य,शिक्षा जैसे मुद्दे पर भेदभाव होता है,घर की इज्जत के नाम पर उनकी शादी कम उम्र में कर दी जाती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के ताजा आंकड़ो के मुताबिक उत्तर प्रदेश में लगभग 21 फीसदी लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो जाती है।गोरखपुर के मामले में यह दर 28 फीसदी है।यह स्थिति तभी बदल सकती है जब हम इस दिशा में साथ मिलकर काम करें।

बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार सिंह ने कहा कि हम अगर समानता वाला समाज बनाना चाहते हैं तो हमें बेटे और बेटी के भेद से परे उठकर सोचना होगा। उन्होंने ब्रेकथ्रू के दे ताली:बनेगी बात साथ साथ अभियान की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह की प्रयास से ही बदलाव आयेगा जिससे हम एक ऐसा समाज बनाने में कामयाब होगें जिसमें लड़का और लड़की ने नाम पर कोई भेदभाव न हो और हम बेटियों को बोझ की जगह अपनी जिम्मेदारी समझेंगें।
इस दौरान 'रश्मी मैट्रिक पास' नाम की एक लघु फ़िल्म दिखाई गई जिसमें एक बेटी के मैट्रिक पास करने का सपना पिता कैसे पूरा करता है यह दिखाया गया था।साथ ही मुद्दे पर आधारित खेल व नुक्कड़ नाटक से भी समुदाय के साथ संवाद कर मुद्दे के प्रति जागरुक किया गया।

ब्रेकथ्रू के बारे में:-

ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों के ख़िलाफ़ होने वाली हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है।
कला, मीडिया, लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसमें हर कोई सम्मान, समानता और न्याय के साथ रह सके।
हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुडें मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं।इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं।इसके साथ ही हम युवाओं, सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं, जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

विनीत त्रिपाठी,
ब्रेकथ्रू,
9792267809

विजय बहादुर यादव
ब्रेकथ्रू
09838538555